गरीबो को मोहन निभाना पड़ेगा,
अनाथों के स्वामी कहाना पड़ेगा।।

तर्ज बहुत प्यार करते हैं।

पुकारे किसे हम ना कोई हमारा,
तुम्हारे सिवा अब ना कोई सहारा,
कृपा की नज़र से बुलाना पड़ेगा,
गरीबों को मोहन निभाना पड़ेगा,
अनाथों के स्वामी कहाना पड़ेगा।।

भटकते भटकते बहुत ही थके है,
व्याकुल हुआ मन कदम रुक चुके है,
चरण की शरण मे ले आना पड़ेगा,
गरीबों को मोहन निभाना पड़ेगा,
अनाथों के स्वामी कहाना पड़ेगा।।

रखोगे गरीबों की जो दीन हालत,
अमीरों सी रखना इनकी हिफाज़त,
तो हाँ कहके सीने से लगाना पड़ेगा,
गरीबों को मोहन निभाना पड़ेगा,
अनाथों के स्वामी कहाना पड़ेगा।।

हमारी नज़र से नज़र जब मिलेगी,
हर इक पल में करुणा हमको मिलेगी,
तो दो बूंद आंसू बहाना पड़ेगा,
गरीबों को मोहन निभाना पड़ेगा,
अनाथों के स्वामी कहाना पड़ेगा।।

भिखारी युगल प्रेम की भीख मांगे,
सकल मन से सेवक आशीष मांगे,
कृपा का खजाना लुटाना पड़ेगा,
गरीबों को मोहन निभाना पड़ेगा,
अनाथों के स्वामी कहाना पड़ेगा।।

गरीबो को मोहन निभाना पड़ेगा,
अनाथों के स्वामी कहाना पड़ेगा।।

Singer Mukesh Kumar Meena

Source: https://www.bharattemples.com/garibo-ko-mohan-nibhana-padega/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App

https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw